सत्य जगकिदु पंच भेदवु (श्री पुरंदर दासरु)

सत्य जगकिदु पंच भेदवु नित्य श्रीगोविंदन |
कृत्य तिळिदु तारतम्यदि कृष्णनधिकॆंदु सारिरै || प ||
जीव ईशगॆ भेद सर्वत्र जीवजीवकॆ भेदवु |
जीव जडरॊळ् जडजडक्कॆ भेद जीव जड परमात्मगॆ || १ ||
मानुषोत्तमरधिक क्षितिपरु मनुष्य देव-गंधर्वरु |
ज्ञानि-पित्राजान कर्मज दानवारि तत्वात्मरु || २ ||
गणपमित्ररु सप्तऋषिगळु वह्निनारद वरुणनु |
इनजगॆ सम चंद्रसूर्यरु मनुसुतॆयु हॆच्चु प्रवाहनु || ३ ||
दक्षसम अनिरुद्ध गुरु शचि रति स्वायंभुवरार्वरु |
दक्षप्राणनिंदधिक कामनु किंचिदधकनु इंद्रनु || ४ ||
देवेंद्रनिंदधिक महारुद्र रुद्रसम शेषगरुडरु |
केवलधिकरु गरुड शेषगॆ देवि भारति सरस्वति || ५ ||
वायुविगॆ समरिल्ल जगदॊळु वायुदेवरॆ ब्रह्मरु |
वायु ब्रह्मगॆ कोटिगुणदिंदधिक शक्तळु श्रीरमा || ६ ||
अनंतगुणदिंद लकुमिगिंत अधिक **पुरंदरविठ्ठलनु** |
घनसमरु इवगिल्ल जगदॊळु हनुमहृत्-पद्मवासिगॆ || ७ ||